प्रज्ञा-प्रवाह

पाठमाला एवं अभ्यास पुस्तिका

१

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

प्रज्ञा–प्रवाह

पाठमाला एवं अभ्यास पुस्तिका

1

प्रकाशक

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

नारायण भवन, सलारपुर रोड, कुरुक्षेत्र – 13 6118

दूरभाष : 01744 – 259941 ई – मेल : vbukkkr@yahoo.co.in

प्रकाशक एवं वितरक

विद्या भारती उत्तर क्षेत्र

नारायण भवन, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136-118

दूरभाष : 01744-259941 ई-मेल : vbukkkr@yahoo.co.in

वितरण-केन्द्र

भारतीय शिक्षा समिति, जम्मू कश्मीर प्रदेश

भारतीय विद्या मंदिर परिसर, अम्बफला, वेद मंदिर, जम्मू-180 005

दूरभाष : 0191-2547953

E-mail: bssjmu2006@yahoo.com
bssjk08gmail.com

सर्वहितकारी शिक्षा समिति, पंजाब

सर्वहितकारी केशव विद्या निकेतन, पठानकोट बाईपास, गुरु गोबिन्द सिंह एवेन्यू, नजदीक टेलीफोन एक्सचेंज, जालन्धर-144 009

दूरभाष : 0181-2421199, 2420876

E-mail: ses_jld@yahoo.co.in, ses.jld@gmail.com

हिमाचल शिक्षा समिति, शिमला

सरस्वती विद्या मन्दिर, हिम रश्मि परिसर, विकास नगर, शिमला-171 009, दूरभाष : 0177-2624624, 2620814

E-mail: shikshasamiti@sancharnet.in
himachalshikshasamitishimla@gmail.com

हिन्दू शिक्षा समिति, हरियाणा

संस्कृति भवन, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय परिसर, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136118 (हरियाणा)

दूरभाष : 01744-270241, 251156

E-mail: hsskkr@yahoo.co.in

ग्रामीण शिक्षा विकास समिति, हरियाणा

संस्कृति भवन, गीता निकेतन आवासीय विद्यालय परिसर, लाजपत राय मार्ग, कुरुक्षेत्र-136118 (हरियाणा)

दूरभाष : 01744-270241, 251156

E-mail: gsvskkr@yahoo.co.in

हिन्दू शिक्षा समिति-दिल्ली

डी.ए.वी.व.मा. विद्यालय क्र. 2, शंकर नगर, दिल्ली-110 051

दूरभाष : 011-22008542

E-mail: hindushikshasamiti@gmail.com

हिन्दू शिक्षा समिति, न्यास

गीता बाल भारती परिसर, राजगढ़ कॉलोनी, दिल्ली-110 031

दूरभाष : 011-22002957

E-mail: mahamantri_nyas@yahoo.co.in
hssn2604@gmail.com

समर्थ शिक्षा समिति

सरस्वती शिशु/बाल मन्दिर परिसर, आरामबाग, डेसू कार्यालय के पास, पहाडगंज, नई दिल्ली-110055

दूरभाष : 011-23631216, 23631247

E-mail: samiti59@yahoo.com

प्रथम संस्करण :2013

वैधानिक चेतावनी

यह पुस्तक विद्या भारती उत्तर क्षेत्र द्वारा प्रकाशित है। इस पुस्तक का प्रत्येक भाग सर्वाधिकार सुरक्षित है।

मुद्रक:

बुलबुल प्रिंटिंग प्रैस

प्लॉट नं॰ 1831, दीप कॉम्प्लेक्स हल्लो माजरा, चण्डीगढ़

दूरभाष: 09988338711 ई-मेल: bulbulpress@gmail.com

लेखक : स्व. अवधेश प्रसाद वर्मा
दिल्ली

संशोधन : अनीता पाहवा
एस.ए.एस नगर, (मोहाली)

भूमिका

प्रज्ञा-प्रवाह नामक पुस्तक -शृंखला आचार्य-वर्ग को छात्र भैया-बहिनों के लिए समर्पित करते हुए मुझे आनंद का अनुभव हो रहा है। दीर्घकालीन अध्ययन-अध्यापन द्वारा अनुभव प्राप्त हुआ है, उसी अनुसार इस पुस्तक -शृंखला की रचना की गई है। हमारा प्रयास रहा है कि छात्र भैया-बहिनों के शब्द-भण्डार तथा विषय को ग्रहण करने की क्षमता का विकास हो। ऐसा प्रयास किया गया है कि पुस्तक के किसी पाठ का शैशव मन पर नकारात्मक, उत्तेजक अथवा विपरीत प्रभाव न पड़े। पुस्तक की रचना करते समय सरलता एवं सरसता का ध्यान रखा गया है। इस पुस्तक की विशिष्टताओं का उल्लेख करना आवश्यक है। आचार्य भैया-दीदी अधोलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखकर शिक्षण करें तो अध्यापन शैली तथा विषय-वस्तु को समझने में सरलता होगी-

क भैया-बहिनों की आयु तथा ग्रहण-क्षमता को ध्यान में रखकर पाठों की रचना की गई है।

ख पाठ रचना करते समय सरलता से कठिनता तथा छात्र जो जानता है से जो नहीं जानता की ओर बढ़ने का प्रयास किया गया है।

ग सार्थक एवं प्रेरणात्मक चित्रों का चयन किया गया है।

घ चित्रों द्वारा शब्द ज्ञान की रोचक विधा का प्रयोग किया गया है।

ङ पुस्तक को रोचक बनाने और बुद्धि व्यायाम के लिए अभ्यास दिए गए हैं।

च शैशव मन में जीवों के प्रति प्रेम भाव का संचार हो, इसे ध्यान में रखकर जीव-जंतुओं पर आधारित कविताओं, गद्य पाठों की रचना की गई है।

छ खेल-खेल में दृश्य, श्रवण-वाचन कौशलों के विकास व जीवन-मूल्यों के विकास की पर्याप्त सामग्री उपलब्ध है।

ज रचनात्मक अभिव्यक्ति, जीवन कौशल के विकास व जीवन-मूल्यों के विकास की पर्याप्त सामग्री पुस्तक के अंदर है।

झ इस पुस्तक की रचना का आधार CCE की दृष्टि से समेटिव मूल्यांकन और फॉरमेटिव मूल्यांकन को बनाया गया है।

ञ योग्यताओं से जुड़ी विविध कुशलताओं को सिखाने सम्बंधी अभ्यास एवं बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) दिए गए हैं।

प्रस्तुत शृंखला शिशु वर्ग के छात्र भैया-बहिनों के भाषा-ज्ञान को समृद्ध बनाएगी और देश भक्त नागरिक निर्माण करने में सहयोगी होगी, इस आशा के साथ यह आचार्यों, भैया-बहिनों के सम्मुख प्रस्तुत है। आप जैसे भाषा-विदों के सुझाव व विचार से यह पुस्तक और अधिक रोचक बन सकेगी। इसी आशा के साथ आपके हाथों में पुस्तक समर्पित करते हुए आभार व्यक्त करता हूँ।

अवधोश प्रसाद वर्मा

विषय सूचि

पाठ	विवरण	पृष्ठ
	स्वर दोहावलि	5
	चित्रों के माध्यम से शब्दों को जानें	6
	स्वर	8
	व्यंजन	10
1.	दो, तीन एवं चार वर्णों वाले शब्द	12
2.	आ की मात्रा (ा) वाले शब्द	20
3.	इ की मात्रा (ि) वाले शब्द	25
4.	ई की मात्रा (ी) वाले शब्द	28
	मूल्यांकन-१	33
5.	उ की मात्रा (ु) वाले शब्द	35
6.	ऊ की मात्रा (ू) वाले शब्द	40
	मूल्यांकन-२	46
7.	ए की मात्रा (े) वाले शब्द	48
8.	ऐ की मात्रा (ै) वाले शब्द	53
	मूल्यांकन-३	58
9.	ओ की मात्रा (ो) वाले शब्द	60
	कोयल (कविता)	63
10.	औ की मात्रा (ौ) वाले शब्द	66
	मूल्यांकन-४	70
11.	'अं' अनुस्वार (ं) की ध्वनि वाले शब्द	72
	तिरंगा हमें बतलाता है। (कविता)	74
12.	'अः' विसर्ग (:) की ध्वनि वाले शब्द	76
13.	चन्द्र बिन्दु (ँ) की ध्वनि वाले शब्द	78
14.	ऋ की मात्रा (ृ) वाले शब्द	83
15.	र का विविध वर्णों के साथ विविध प्रयोग	87
16.	संयुक्त अक्षरों क्ष, त्र, ज्ञ और श्र का प्रयोग	92
	मूल्यांकन-५	94
17.	चीं-चीं चिड़िया (कविता-केवल याद करने के लिए)	95
18.	लालची कुत्ता	96
19.	तितली रानी (कविता-केवल याद करने के लिए)	99
20.	चतुर चूहा	100
	बारह खड़ी	104
	गिनती	106
	मूल्यांकन-६	108

स्वर दोहावलि

'अ' अनार, 'आ' आम हैं,
कभी मीठे, खट्टे कभी।
'इ' इमली खट्टी सदा,
'ई' से ईख सदा मीठी॥

'उ' उमेश हैं उमापति,
'ऊ' ऊपर कैलास।
'ऋ' ऋषि सम 'ए' एक ही
मृगछाला है लिबास॥

'ऐ' से ऐनक ना लगे,
करो नित्य व्यायाम।
'ओ' से ओ३म् नाम को,
जपो सुबह 'और' शाम॥

दोहराओ भई दोहराओ,
ग्यारह स्वरों को दोहराओ॥

आचार्य संकेत

- छात्र भैया-बहिनों को बताएँ कि अं और अः स्वर नहीं हैं, अयोगवाह हैं।
- आचार्या दीदी बच्चों के साथ स्वर दोहे गुनगुनाएँ, जिससे छात्रों को सरलता से याद हो सके।

आओ चित्रों के माध्यम से शब्दों को जानें:-

अध्यापन संकेतः छात्रों को चित्र देखकर शब्दबोध होना चाहिए। अध्यापक द्वारा पूछे जाने पर छात्र चित्रों के नाम बताएं। चित्र शिक्षण के माध्यम से अध्यापक यह प्रयास करें कि छात्रों को अधिक से अधिक शब्दों का ज्ञान हो जाये। छात्र शब्द और चित्र के बीच सामंजस्य स्थापित कर सकें।

स्वर

अ आ इ ई

उ ऊ ऋ ए

ऐ ओ औ

अं अः

ये स्वर नहीं हैं। इन्हें अयोगवाह कहते हैं।

स्वर माला को पूरा करें:-

अ	.....	इ	.....
.....	ऊ	.....	ऐ
.....	औ		

स्वर के सामने स्वर चिह्नों को लिखें:-

आ	.....	इ	.....	ई	.....
उ	.....	ऊ	.....	ऋ	.....
ए	.....	ऐ	.....	ओ	.....
औ	.....				

स्वर चिह्नों को लिखें:-

.....	.....	.....	.....	.....
.....	.....	.....	.....	.....

व्यंजन

क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

क्ष त्र ज्ञ

व्यंजनों को पूरा करें:-

क	.....	ग	.....	ङ
.....	छ	.....	झ	.....
ट	.....	ड	.....	ण
.....	थ	.....	ध	.....
प	.....	ब	.....	म
य	.....	ल	.....	श
	.....	स	.....	क्ष
		.....	ज्ञ	

इन्हें भी जानें:-

ड़	ढ़	श्र